जीवन का मार्ग

तिलक राज सपरा
शोध सहायक

मनुष्यमात्र का कर्तव्य है, कि वह परमानन्द-स्वरूप आत्मा-परमात्मा की शान्ति, भगवत्प्रेम, शाश्वत, सुख, निजानन्दरूप महान लक्ष्य पर दृष्टि स्थिर करें। भगवत्प्राप्ति या भगवत्प्रेम-प्राप्ति को ही अपने जीवन का एकमात्र महान लक्ष्य समझे। अपनी निर्मल बुद्धि को भगवत्प्राप्ति के साधनों के अनुष्ठान में सदा संलग्न रखे। कभी अनर्थ या व्यर्थ का निश्चय एवं चिन्तन न करे। इन्द्रियों को सदा भगवत्संबंधी विषयों में ही साधन-बुद्धि से नियुक्त करें।

जिसकी बुद्धि अनिश्चयात्मिका, अविवेकवती, मन को आधीन रखने में असमर्थ, इन्द्रियों को भगवत्प्राप्ति के राह पर चलाने में असमर्थ और बहु शारववाली होती है। उसका मन इन्द्रियों के वश में हो जाता है। वे इन्द्रियां सदा दुराचार व दुष्कर्म में लगी रहती हैं। मन और बुद्धि कुविचार तथा अविचार से युक्त हो जाती है। इससे वह पुरूष बुद्धिमान मानव जीवन के परम लक्ष्य भगवत्प्राप्ति से वंचित रहता है और सदा संसार चक्र में भटकता रहता है। फलतः उसे असुरी योनियाँ तथा नरकों की यातना ही मिलती है।

अतः इस निरकुंश पतन से बचकर अपने मन को भगवदाभिमुख बनाओ। भगवान की रसमयी, लीलामयी, अनुग्राहिनी शक्ति के आस्वाद को बुद्धि में स्थिर करो। इन्द्रियों को विफलता के मार्ग से मोड़कर निरंतर भगवत्प्रेम में निमग्न करो।

जीवन में हम जो कुछ करते हैं, उसका प्रभाव हमारे अंतःकरण पर पड़ता है। कोई भी कर्म करते समय उसके प्रभाव को, अपने जीवन पर होने वाले उसके परिणाम को सूक्ष्मता से निहारना चाहिए। ऐसा करने से हम अपनी इन्द्रियों के स्वच्छन्द आवेगों को निरूद्ध कर सकेगें।

आत्मनिरीक्षण के लिए निम्न बातों का ध्यान कर हम अपने जीवन को महान बना सकते हैं-

1. हम क्या पढ़ते हैं ?
2. हम क्या खाते हैं ?
3. हमारा संग कैसा है ?
4. क्या हम चिन्तन करते हैं ?
5. हमारे संस्कार कैसे हैं ?

आओ इन बातों का चिन्तन-मनन करते हुए जीवन का कुछ अर्थ निकालने की चेष्टा करें।

5. कुर्सी उड़ेगीः-

चीन के वैज्ञानिक यांग सी क्यान,एक 7 फुट लम्बा और 3 फुट चौड़ा एक ओपेन प्लेटफार्म बनाने में व्यस्त है। जो एक दम कुर्सी जैसा होगा। जिसमें 4 व्यक्ति नीले आसमान की सौ किमी. ऊपर तक सैर कर सकेंगे।

6. चश्मा - नींद का विकल्प

रात को ट्रेन ड्राईवर/ बस ड्राईवर की नींद से होने वाली घटनाओं में कमी होगी। यह चश्मा स्वचालित होगा, जैसे ही ड्राईवर की आँखें 10 सैकेण्ड के लिये बन्द होगीं सायरन बज जायेगा व गाड़ी रूक जायेगी।